सं. 11(5)/2018-रक्षा(राजभाषा-1)

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

(राजभाषा प्रभाग)

कमरा सं. 240, 'बी' विंग
सेना भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 25.04.2022

सेवा में,

हिंदी सलाहकार समिति के सभी माननीय सदस्य(संलग्न सूची के अनुसार)।

विषय: रक्षा मंत्रालय के रक्षा विभाग, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग और सैन्य कार्य विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक का कार्यवृत्त ।

महोदय/महोदया,

रक्षा मंत्रालय के रक्षा विभाग, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग और सैन्य कार्य विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की 38वीं बैठक गुरूवार 25.03.2022 को माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का कार्यवृत्त सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु संलग्न है।

भवदीया,

संलग्न यथोपरी।

राकेश कुमारी 25/4/22

(डॉ. राकेश कुमारी)
निदेशक (राजभाषा)
दूरभाष: 23019375
मोबाइल फोन नं. 8130919488

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित:-

i. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग
ii. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, एनडीसीसी-II भवन, चौथा तल, बी-विंग जय सिंह रोड, नई दिल्ली-110001.

प्रति, कार्यवृत्त की एक प्रति सहित निम्नलिखित को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि वे कृपया कार्यवृत्त पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट एक माह के भीतर मंत्रालय को अवश्य उपलब्ध करवा दें ताकि हिंदी सलाहकार समिति की आगामी बैठक में उसे शामिल किया जा सके:-

1. रक्षा मंत्रालय के सभी अधिकारी/अनुभाग
2. मंत्रालय के सभी अंतर-सेवा संगठन
3. सैन्य कार्य विभाग के अन्तर्गत सेना, नौसेना, वायुसेना और रक्षा स्टाफ के एकीकृत मुख्यालय

रक्षा विभाग, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग और सैन्य कार्य विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट की अध्यक्षता में दिनांक 25 मार्च, 2022 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

रक्षा विभाग, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग और सैन्य कार्य विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की 38वीं बैठक माननीय रक्षा राज्य मंत्री, श्री अजय भट्ट की अध्यक्षता में शुक्रवार दिनांक 25 मार्च, 2022 को अपराह्न 04.00 बजे समिति कक्ष 'बी', संसदीय सौंध, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची **अनुबंध** के रूप में संलग्न है।

2. सर्वप्रथम समिति के सदस्य-सचिव ने माननीय रक्षा राज्य मंत्री, रक्षा सचिव, सचिव, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग, सचिव, सैन्य कार्य विभाग, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग तथा हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों तथा अन्य उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने समिति को सूचित किया कि माननीय रक्षा मंत्री जी इस समिति के अध्यक्ष हैं और माननीय रक्षा राज्य मंत्री जी इस समिति के उपाध्यक्ष हैं। रक्षा मंत्री जी के किसी विशेष कार्य में व्यस्त होने के कारण आज की बैठक की अध्यक्षता माननीय रक्षा राज्य मंत्री जी कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय की अनुमति के साथ बैठक की कार्रवाई शुरू हुई।

सदस्य सचिव ने बताया कि इस समिति का पुनर्गठन 09 अक्तूबर, 2021 को किया गया था और यह इसकी पहली बैठक है। इसके पश्चात हिंदी सलाहकार समिति के गठन के प्रयोजन, उसके उद्देश्यों और कार्यक्षेत्र के बारे में समिति को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस समिति का कार्य रक्षा विभाग, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग, सैन्य कार्य विभाग और उनके संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों के सरकारी

कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित मामलों पर सलाह देना है। उन्होंने कहा कि माननीय सदस्यों द्वारा भेजे गए सुझावों को मदों के रूप में कार्यसूची में शामिल कर लिया गया है जिन पर बैठक में चर्चा की जाएगी।

समिति के मुख्य कार्य की जानकारी देने के पश्चात सदस्य सचिव ने रक्षा मंत्रालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति के बारे में संक्षेप में जानकारी देते हुए समिति को अवगत कराया कि हिंदी बोले और लिखे जाने के आधार पर देश के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तीन राजभाषायी क्षेत्रों में बांटा गया है और रक्षा मंत्रालय **'क'** क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में हिंदी के प्रयोग के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मंत्रालय प्रयत्नशील है। इसके अतिरिक्त रक्षा मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों का समुचित पालन करने का प्रयास करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि माननीय सदस्यों द्वारा चर्चा के दौरान जो सुझाव एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा, उस पर गंभीरतापूर्वक अमल करते हुए मंत्रालय में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने हेतु समुचित कदम उठाए जाएंगे।

3. माननीय रक्षा राज्य मंत्री जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन से पहले सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए समिति के सदस्यों का परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि माननीय रक्षा मंत्री जी इस समिति के अध्यक्ष है किंतु उनके किसी काम में व्यस्त होने के कारण उन्हें आज की बैठक की अध्यक्षता करने के लिए कहा गया है। आज की बैठक में रक्षा सचिव समेत सभी विभागों के अधिकारियों का आना बैठक की गम्भीरता और हिंदी के प्रति रक्षा मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आज हम एक महत्वपूर्ण फोरम पर बैठें हैं और हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा के माध्यम से हम राजभाषा के लिए एक बड़ा प्रयास कर रहे हैं।

परिचय के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह विदेश में किसी स्वदेशी के मिलने पर परिचय से परस्पर संबंध गहरे हो जाते है उसी तरह विभिन्न भाषायी क्षेत्रों से आने वाले विद्वानों की उपस्थिति से मंत्रालय को बहुमूल्य सुझाव प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई है कि समिति में रक्षा मंत्रालय के विभागों के अधिकारियों के साथ विभिन्न भाषायी क्षेत्रों के विद्वानों को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समिति का पुनर्गठन रस्मों रिवाज नहीं होनी चाहिए बल्कि निर्धारित समय पर इसकी बैठक सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित माननीय संसद सदस्यों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी माननीय संसद सदस्यगण का भाषा और संस्कृति के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है और वे अपने अनुभव से हमारा मार्गदर्शन निश्चित रूप से करेंगे। माननीय रक्षा राज्य मंत्री जी ने संपूर्ण भारत में फैले तीर्थों में पुरोहितों द्वारा हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं में वंशावलियों का उल्लेख करते हुए यह कहा कि स्थानीय भाषाओं में काम करने की हमारी पुरानी परंपरा रही है।

भाषा के प्रचार-प्रसार में अनुवाद के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि गीता के विभिन्न भाषाओं में अनुवाद से भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों को दुनिया भर के लोगों को जानने और समझने का अवसर मिला है। भारतीय भाषाओं की पारस्परिकता का उदाहरण देते हुए दक्षिण भारतीय भाषाओं के साथ संस्कृत तथा उत्तर भारत की भाषाओं का हिंदी और हिंदी का संस्कृत के साथ मेल-जोल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सभी भाषाओं में आपसी जुड़ाव है और इसलिए हिंदी पूरे देश को जोड़ने वाली भाषा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सेनानियों ने हिंदी की इसी विशेषता को परखा था। भूतपूर्व प्रधानमंत्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रचित हिंदी में कविताएं, महाराणा प्रताप और झांसी की रानी पर हिंदी में रचित कविताएं आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण व प्रेरणादायक हैं तथा हमें परस्पर जोड़ती हैं।

उन्होंने कहा कि अगर हम प्रतिबद्ध हों तो अंग्रेजी की तरह हिंदी भाषा भी दुनिया की बड़ी भाषा बन सकती है। विभिन्न क्षेत्रों मे बोली जाने वाली हिंदी के उच्चारण में थोड़ा-सा अंतर होता है परंतु मंतव्य एक ही होता है। उन्होंने कहा कि सभी के प्रयास से हिंदी को लोकप्रिय बनाया जा सकता है। उन्होंने भारतेन्दू हरिश्चन्द्र की प्रसिद्ध पंक्ति "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा - ज्ञान के मिटत न हिय को सूल॥" को उद्धृत करते हुए बताया कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम हिंदी की लोकप्रियता को उजागर करते हैं जिसमें रक्षा मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा अपने भाषणों के माध्यम से हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ले जाने की प्रतिबद्धता को सभी के लिए प्रेरणा और आइकोनिक प्रयास के रूप में लेने का आग्रह किया।

अध्यक्ष महोदय ने हिंदी के बहुआयामी स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी न केवल राजभाषा है बल्कि देश की संपर्क भाषा भी है। हिंदी को उचित सम्मान दिलाना हम सभी की संवैधानिक जिम्मेदारी है। हमारा मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हिंदी के कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने की कोशिश करता रहा है और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का भी भरसक प्रयास करता है। मुझे मालूम है कि समिति के माननीय सदस्यों की यह मांग रही है कि उनको मंत्रालय में अपने आने-जाने के लिए परिचय पत्र जारी किए जाएं किंतु माननीय सदस्यों को परिचय पत्र उपलब्ध करवाने के लिए अभी नीति तय नहीं है। यह कार्ड गृह मंत्रालय द्वारा दिया जाता है किंतु सभी माननीय सदस्यों के मंत्रालय में आने-जाने के लिए पास की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। बैठक की कार्यसूची पर आगे चर्चा करते हुए उन्होंने उपस्थित सभी विद्वानों और अधिकारियों को आमंत्रित किया कि वे समिति के समक्ष अपने विचार खुले ढंग से रखें और चर्चा करके मार्गदर्शन प्रदान करें।

में ही दिए जाए और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा भी इस प्रावधान का ध्यान रखा जाए। माननीय सदस्य श्री प्रदीप टम्टा जी ने राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए यह सुझाव दिया कि देश को क,ख,ग क्षेत्र में बांटा गया है। वार्षिक कार्यक्रम में पत्राचार के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की जानी चाहिए।

(कार्रवाई- सभी कार्यालय)

(9) **<u>प्रेरणादायक वाक्यों को हिंदी में लिखा जानाः</u>**- समिति के माननीय सदस्य श्री चंद्रकांत जोशी ने एनसीसी में प्रेरणादायक वाक्यों के महत्व और व्यक्ति पर पड़ने वाले सकारात्मक अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षा मंत्रालय के सैन्य संगठनों में अक्सर प्रेरणादायक वाक्य जगह-जगह लिखे मिलते हैं किन्तु अधिकांशतः वे अंग्रेजी में होते हैं। उनका सुझाव था कि प्रेरणादायक वाक्यों और सुक्तियों को हिंदी भाषा में लिखा जाए जिसे हर स्तर के अधिकारी कर्मचारी उन्हें पढ़ सके और प्रेरणा प्राप्त कर सके। अध्यक्ष महोदय ने इस पर सहमति व्यक्त की और इसे पूरा करने के लिए विचार करने को कहा।

(कार्रवाईः सभी कार्यालय)

(10) **<u>सोशल मीडिया ट्विट आदि हिंदी में दिया जानाः</u>**- समिति के माननीय सदस्य श्री चंद्रकांत जोशी ने रक्षा मंत्रालय द्वारा ट्विट लिखने के संबंध में यह सुझाव दिया कि सेना से जुड़े ट्विट हिंदी में दिए जाने चाहिए और यदि अंग्रेजी में कोई ट्विट किया जाए तो उसे अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी किया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का भी सुझाव दिया उन्होंने बताया कि मंत्रालय की गतिविधियों के बारे में ट्विट के माध्यम से तुरंत जानकारी मिलती है। यदि ये ट्विट अंग्रेजी के साथ -साथ हिंदी भाषा में भी जारी हों तो बड़ी संख्या में लोगों को जानकारी प्राप्त होगी। सोशल मिडिया पर रक्षा मंत्रालय की गतिविधियों के बारे में अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी और अधिक जानकारी दी जानी चाहिए।

(कार्रवाईः रक्षा मंत्रालय)

बैठक के अंत में रक्षा सचिव महोदय ने कहा कि माननीय सदस्यों के द्वारा दिए गए बहुमूल्य सुझावों को नोट कर लिया गया है। मंत्रालय में पत्र व्यवहार, विज्ञापन आदि में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में माननीय सदस्यों का जो मार्गदर्शन मिला है उसके माध्यम से मंत्रालय में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ेगा। समिति की बैठक में शामिल होने के लिए उन्होंने सभी अधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक संपन्न हुई।

*****

अनुबंध

रक्षा विभाग, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग और सैन्य कार्य विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट की अध्यक्षता में दिनांक 25 मार्च, 2022 को हुई 38वीं बैठक की उपस्थिति

क्र.सं.	नाम/पदनाम/कार्यालय	
1.	श्री. अजय भट्ट, माननीय रक्षा राज्य मंत्री	अध्यक्ष
2.	श्री रामचरण बोहरा, माननीय संसद सदस्य	सदस्य
3.	श्री प्रदीप टम्टा, माननीय संसद सदस्य	सदस्य
4.	डॉ अमी याज्ञिक, माननीय संसद सदस्य	सदस्य
5.	श्री भूप सिंह यादव	सदस्य
6.	श्री अमितांशु पाठक	सदस्य
7.	श्री चंद्रकांत जोशी	सदस्य
8.	डॉ. शिशिर पांडेय	सदस्य
9.	श्रीमती के. आर. कलैवानी विजयकुमार	सदस्य
10.	डॉ. गोरखनाथ तिवारी	सदस्य
11.	श्री प्रमोद कुमार गुप्त	सदस्य
12.	डॉ. अजय कुमार, रक्षा सचिव	सदस्य
13.	डॉ. जी. सतीश रेड्डी, सचिव (रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग)	सदस्य
14.	लेफ्टी. जनरल अनील पुरी, अपर सचिव, सैन्य कार्य विभाग	सदस्य
15.	श्री संजीव मित्तल, वित्तिय सलाहकार रक्षा सेवाएं, रक्षा मंत्रालय	सदस्य
16.	सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा, अपर सचिव, रक्षा विभाग	सदस्य
17.	श्री दिनेश कुमार, संयुक्त सचिव, सशस्त्र सेनाएं, रक्षा विभाग	सदस्य
18.	श्री अभय सिंह, प्रधान निदेशक, रक्षा स्टाफ एकीकृत मुख्यालय	सदस्य
19.	लेफ्टी. जनरल सी. बंसी पोन्नप्पा, उप सेनाध्यक्ष	सदस्य
20.	वाइस एडमिरल सुरज बेरी, नौसेना मुख्यालय	सदस्य
21.	एयर मार्शल सूरज कुमार झा, वायुसेना मुख्यालय	सदस्य
22.	मेजर जनरल शरद कपूर, पुनर्वास महानिदेशालय	सदस्य
23.	लेफ्टी. जनरल गुरबीरपाल सिंह, महानिदेशक (राष्ट्रीय कैडेट कोर)	सदस्य
24.	श्री अजय कुमार शर्मा, महानिदेशक, रक्षा सम्पदा विभाग	सदस्य
25.	आईजी नीरज तिवारी, उप महानिदेशक, भारतीय तटरक्षक मुख्यालय	सदस्य
26.	डॉ. मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय	सदस्य
27.	श्री सतीश सिंह, संयुक्त सचिव, सीमा सड़क, रक्षा विभाग	सदस्य

28. श्री विशाल गगन, संयुक्त सचिव, रक्षा विभाग — सदस्य सचिव
29. डॉ. पी.पी.शर्मा, ओएसडी, भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग — प्रतिनिधि
30. डीआईजी डी.एस.सैनी, प्रधान निदेशक, भारतीय तटरक्षक — प्रतिनिधि

अन्य उपस्थित अधिकारी

31. डॉ. राकेश कुमारी, निदेशक (राजभाषा), रक्षा मंत्रालय
32. डॉ. रविन्द्र सिंह, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक डीपीएआरओ एंड एम, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग
33. कमोडोर मनोज कुमार सिंह, नौसेना शिक्षा
34. श्रीमती मीना बालीमाने शर्मा, एसएडीजी
35. डॉ. ए.के. मिश्रा, निदेशक, इतिहास प्रभाग
36. कर्नल संदीप रावत, एमए लच डीसीओएएस
37. श्री संजय वाजपेयी, उप सचिव, रक्षा मंत्रालय
38. श्री पंकज झा, अवर सचिव, रक्षा मंत्रालय
39. श्री अरविंद कुमार, अवर सचिव, रक्षा मंत्रालय
40. श्री मिथिलेश्वर कुमार सिंह, उप निदेशक (राजभाषा), वायु सेना मुख्यालय
41. श्री नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नौसेना मुख्यालय
42 श्री सुजीत कुमार मेहता, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग
43. श्री नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा मंत्रालय
44. श्री आजाद कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा मंत्रालय
45. श्री राजकिशोर पाठक, निजी सचिव, रक्षा मंत्रालय
46. श्री अशोक कुमार चौधरी, निजी सचिव, रक्षा मंत्रालय